

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKG-178

कला स्नातक (सामान्य) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एस.के.जी.-178 : प्राचीन भारतीय राजनीति

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर

किसी एक भाषा में दीजिए।

(iii) भाषा का माध्यम एक ही होना चाहिए।

A-319/BSKG-178

P. T. O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर विस्तार से

दीजिए :

5×10=50

- (i) प्राचीन राजनीतिशास्त्र के विविध नाम दण्डनीति, धर्मशास्त्र एवं नीतिशास्त्र पर प्रकाश डालिए।
- (ii) राज्य के प्रकारों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
- (iii) शुक्रनीति के आधार पर सप्ताङ्ग सिद्धान्त का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
- (iv) अर्थशास्त्र एवं शुक्रनीति के आधार पर मन्त्री की योग्यता का वर्णन करते हुए मन्त्रिपरिषद् के कर्तव्यों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
- (v) भारत में प्राचीन काल में प्रचलित प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।
- (vi) मण्डल सिद्धान्त का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
- (vii) अन्तर्राज्यीय सम्बन्ध के सिद्धान्त: साम, दाम, दण्ड और भेद का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5×8=40

- (i) प्राचीन भारतीय गणतन्त्र के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए बौद्ध साहित्य-महापरिनिब्बान सुत्त एवं अंगुत्तर निकाय पर प्रकाश डालिए।
- (ii) राजा के गुणों का वर्णन करते हुए राजा की दैवी उत्पत्ति के सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।
- (iii) 'महाभारत' एवं 'मनुस्मृति' में वर्णित राजधर्म का वर्णन कीजिए।
- (iv) रामायण एवं महाभारतकालीन 'पौर-जनपद' का वर्णन कीजिए।
- (v) मौर्यकालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन ग्रामीण व्यवस्था का वर्णन कीजिए।
- (vi) धर्म के स्रोत पर प्रकाश डालिए।
- (vii) दण्ड के महत्व का वर्णन करते हुए न्यायाधीशों के गुण-दोषों का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ कीजिए :

2×5=10

(क) मत्स्य-न्याय

(ख) पंचायत

(ग) षड्गुण

(घ) कौटिल्य

× × × × ×